

- प्र० 1. समाजशास्त्र को परिभाषित करते हुए। इसके विषय-वस्तु एवं विकास की अवस्थाओं को समझाएँ।
- प्र० 2. समाजशास्त्रीय अभिमुखन से क्या क्या समझते हैं? वैज्ञानिक एवं मानविकी अभिमुखन में अन्तर स्पष्ट करें।
- प्र० 3. संस्कृति को परिभाषित करते हुए। इसके उपादानों को समझाइए।
- प्र० 4. सामाजिक प्रक्रियाएँ क्या हैं? सहयोगात्मक सामाजिक प्रक्रियाओं को बताइए।
- प्र० 5. सामाजिक स्तरीकरण का अर्थ बताते हुए इसके स्वरूपों को समझाएँ।
- प्र० 6. सामाजिक परिवर्तन के सिद्धान्तों को स्पष्ट करें।
- प्र० 7. टिप्पणी लिखें:-  
(क) सामाजिक गतिशीलता (ख) प्रस्थिति तथा व्युत्पिका  
(ग) सामाजिक प्रतिमान
- प्र० 8. समाजीकरण के स्तरों को बताते हुए। मांड के समाजीकरण सम्बन्धी विचारों को बताइए।